मगध विश्वविद्यालय

बोधगया

त्रिवर्षीय स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

(कला, विज्ञान और वाणिज्य)

सामान्य एवं प्रतिष्ठा तथा अहिन्दी भाषियों के लिए

2011–2012 से प्रभावी

मूल्य- ₹ 15/–

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

त्रिवर्षीय स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

(कला, विज्ञान और वाणिज्य)

सामान्य एवं प्रतिष्ठा तथा अहिन्दी भाषियों के लिए

2011-2012 से प्रभावी

विशेष :-

1 प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के (कला, विज्ञान और वाणिज्य) विद्यार्थियों के लिए सामान्य हिन्दी (हिन्दी-रचना) का 100 अंकों का और हिन्दीतर भाषियों के लिए 50 अंकों का प्रश्न-पत्र अनिवार्य है। 100 अंकों के हिन्दी रचना पत्र का उत्तीर्णांक 33 और 50 अंकों के हिन्दी रचना का उत्तीर्णांक 17 निर्धारित है।

2 वैकल्पिक भाषा के रूप में हिन्दी पढ़ने वाले स्नातक पास एवं आनुषंगिक (सब्सिडियरी) के विद्यार्थियों के लिए प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में प्रत्येक के लिए हिन्दी साहित्य का 100 अंकों का प्रश्न-पत्र निर्धारित है।

3 पास कोर्स के विद्यार्थियों के लिए तृतीय वर्ष में भी 100 अंकों का हिन्दी-साहित्य का एक पत्र पढ़ना है, लेकिन सब्सिडियरी के विद्यार्थियों को यह नहीं पढ़ना है।

4 स्नातक तृतीय वर्ष में हिन्दी रचना (सामान्य हिन्दी) का पत्र नहीं पढ़ना है।

5 हिन्दी प्रतिष्ठा में प्रथम वर्ष में पत्र 1 एवं 2 तथा द्वितीय वर्ष में पत्र 3 एवं 4 पढ़ना है।

6. तृतीय वर्ष में 5, 6, 7, अनिवार्य पत्र होंगे। 8 वाँ पत्र विशेष अध्ययन का होगा, जिसमें विद्यार्थी किसी एक पत्र का चयन कर सकेंगे।

हिन्दी प्रतिष्ठा के तीनों खण्डों में प्रत्येक प्रश्न-पत्र -70 अंकों का होगा। लिखित परीक्षा तीन घंटे की होगी। शेष 30 अंक आंतरिक (विभागीय) मूल्यांकन यथा- मौखिकी, ट्यूटोरियल और संगोष्ठी आदि के लिए निर्धारित हैं।

स्नातक प्रथम वर्ष

हिन्दी–रचना (सामान्य हिन्दी) हिन्दी भाषियों के लिए अनिवार्य

समय – तीन घंटे

पूर्णांक – 100

अंकों का विभाजन

(क)	पाठ्यपुस्तकों से आलोचनात्मक प्रश्न	: 3 × 12 = 36 अंक
(ख)	व्याख्या	: 3 × 8 = 24 अंक
(ग)	निबंध	:1 × 15 = 15 अंक
(घ)	व्याकरण	:3 × 5 = 15 अंक
(इ)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	: 10 × 1 = 10 अंक
		योग – 100 अंक

पाठ्य पुस्तकें :–

1. **कविता कानन** – सं0 डॉ0 देवदत्त राय

पाठ्यांश

1. विद्यापति – बड़ सुख सार पाओल तुअ तीरे,
   नव वृंदावन, नव नव तरु गन।
2. कबीर – कौन ठगवा नगरिया लूटल हो,
   भगति बिनु बिरथे जनम गयो।
3. सूरदास – निस दिन बरसत नैन हमारे।
   ऊधो, मोहि ब्रज बिसरत नाहिं।
4. तुलसी – मन पछतइहें अवसर बीते।
   यह विनती रघुवीर गोसाईं।
5. बिहारी – निम्नलिखित दोहे :–
   नहिं पराग नहिं मधुर मधु, पत्रा हीं तिथि पाइयै,
   चिरजीवौ जोरी जुरै क्यों, करी बिरह ऐसी तऊ,
   मोहन मूरति स्याम की, कनक–कनक तैं सौगुनी,
   त्यों त्यों प्यासेई रहत, अधर धरत हरि कैं परत,
   कहलाने एकत बसत, समै समै सुंदर सबै।

6. रसखान – खंजन नैन फँदे पिंजरा, कान्ह भये बस बाँसुरी के।

अथवा

साहित्यधारा – सं0 डॉ0 शिवाजी नाले/ डॉ0 इरेश स्वामी–प्रकाशक – ओरिएंट लांग्मैन, पटना

पद्य – कबीर, रहीम, बिहारी, मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह 'दिनकर'।

गद्य – प्रेमचंद(पूस की रात), चिरंजीत (अखबारी विज्ञापन), हरिशंकर परसाई (समय काटने वाले), रामवृक्ष बेनीपुरी (बुधिया), महादेवी वर्मा (सबिया)

निबंध–(छात्र–जीवन, राजनीति, प्रकृति, महापुरुष, युद्ध,शांति, रोजगार, शिक्षा–पद्धति, खेल, चलचित्र, रेडियो, विज्ञान, साहित्य आदि से सम्बन्धित)

व्याकरण – उपसर्ग, प्रत्यय, वाक्य–संशोधन, मुहावरें एवं लोकोक्तियाँ, संक्षेपण, पल्लवन, पत्र–लेखन।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न– हिन्दी रचना के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे।

अभिस्तावित ग्रंथ :–

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ0 वासुदेव नन्दन प्रसाद
2. व्याकरण भास्कर – डॉ0 वचनदेव कुमार
3. हिन्दी शब्दानुशासन – आचार्य किशोरीदास वाजपेयी–
4. राष्ट्रभाषा हिन्दी और व्याकरण – डॉ0 जितेन्द्र वत्स
5. हिन्दी निबन्ध – आचार्य निशांतकेतु
6. हिन्दी निबन्ध – डॉ0 राजनाथ शर्मा
7. आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ0 राजवंश सहाय 'हीरा'
8. हिन्दी साहित्य : संवेदना का विकास – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. हिन्दी के प्राचीन कवि – डॉ0 रामप्यारे तिवारी
10. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डॉ0 श्रीनिवास शर्मा

स्नातक प्रथम वर्ष

सामान्य हिन्दी (हिन्दी-रचना) अहिन्दी भाषियों के लिए
(कला, विज्ञान और वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य)

समय - 1½ घंटे

पूर्णांक - 50

अंकों का विभाजन

(क)	पाठ्यपुस्तकों से प्रश्न	:	2 × 10 = 20 अंक
(ख)	निबंध	:	1 × 15 = 15 अंक
(ग)	व्याकरण एवं रचना	:	3 × 5 = 15 अंक
			योग - 50 अंक

पाठ्यांश :-

काव्य-माधुरी - सं0 डॉ0 जितेन्द्र वत्स-

पाठ्यांश-

1. **कबीर**

   1. गुरु गोविंद तौ एक हैं 2. सतगुर मेरा सूरिबां 3. पांसा पकड़ा प्रेम का 4. चकई बिछुरी रैन की 5. बिरह भुवंगम तन बसै 6. बहुत दिनन की जोबती 7. यहु तन जारौं मसि करौं, 8. परवति परवति मैं फिरा 9. मन मथुरा दिल द्वारिका 10. कबीर लहरि समंद की।

2. **तुलसी**

   1. मन पछतइहें अवसर बीते 2. केसव ! कहि न जाइ का कहिये।

3. **रहीम**

   1. जो 'रहीम' ओछो बढ़ै 2. 'रहिमन' सूधी चाल सों 3. जो बड़ेन को लघु कहौ 4. कहि 'रहीम' संपति सगे, 5. जे 'रहीम' विधि बड़ किए 6 धनि 'रहीम' जल पंक को 7. 'रहिमन' वे नर मर चुके 8. पावस देखि रहीम मन 9. मान सहित विष खायके 10. कदली, सीप, भुजंग-मुख 11. खैर, खून, खाँसी, खुसी।

4. भारतेन्दु – भारत–दुर्दशा।
5. माखनलाल चतुर्वेदी – बदरिया थम–थम कर झर री।
6. सुभद्रा कुमारी चौहान– बचपन।
7. पं० रामनरेश पाठक– हम न बोलेंगे।

अथवा

हिन्दी गद्य पद्य संग्रह –सं० डॉ० दिनेश प्रसाद सिंह–प्रकाशक–ओरिएंट लौंगमेन प्राइवेट लिमिटेड, पटना

काव्य – कबीर, रैदास, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, भारतेन्दु,

गद्य – सद्गति (प्रेमचंद), नाखून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी), बाबर की ममता (देवेन्द्रनाथ शर्मा), ठेले पर हिमालय (धर्मवीर भारती), रूपा की आजी (बेनीपुरी)

व्याकरण एवं रचना –

पाठ्यांश– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, लिंग, वचन, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, वाक्य–संशोधन।

अभिस्तावित ग्रंथ –

आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना	– डॉ० वासुदेवनन्दन प्रसाद
व्याकरण भास्कर	– डॉ० वचनदेव कुमार
शुद्ध हिन्दी	– डॉ० विजयपाल सिंह
हिन्दी व्याकरण	– डॉ० सुधांशु कुमार नायक
हिन्दी व्याकरण और रचना	– डॉ० दिनेश प्रसाद सिंह

स्नातक प्रथम वर्ष

(कला, विज्ञान एवं वाणिज्य)

हिन्दी उत्तीर्ण (पास कोर्स) तथा आनुषंगिक (सब्सिडियरी) वर्ग

समय - तीन घंटे पूर्णांक - 100

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 × 15 = 45 अंक
(ख)	व्याख्यात्मक प्रश्न	:	3 × 10 = 30 अंक
(ग)	लघु उत्तरीय प्रश्न	:	3 × 5 = 15 अंक
(घ)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 × 1 = 10 अंक
			योग - 100 अंक

पाठ्यांश :-

1. काव्य कुसुम- संपादकः डॉ0 रामशकल बिंद-

पाठयांश

1. विद्यापति

1. माधव कत तोर करब बड़ाई 2. तातल सैकत वारि विंदु सम 3. सखि हे हमर दुखक नहीं ओर 4. आएल रितुपति राज वसंत, 5. कखन हरब दुख मोर।

2. सूरदास

1. चरण कमल बंदौं हरि राई 2. प्रभु मेरे अवगुन चित न धरौं 3. जसोदा हरि पालने झुलावै 4. कर पग गहि अँगुठा मुख मेलत 5. निरगुन कौन देस को बासी 6. आँखिया हरि दरसन की भूखी।

3. तुलसीदास

1. अवधेश के द्वारे सकारे 2. कबहूँ ससि माँगत आरि करै 3. वर दंत की पंगति कुंद कली 4. बैठी सगुन मनावत माता 5. मन पछतइहें अवसर बीते।

2. गद्य सरित् - (कहानी, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र) सं० डॉ० सुनील कुमार

पाठ्यांश :-

कहानी - उसने कहा था,(चंद्रधर शर्मा गुलेरी), कहानी का प्लॉट (आचार्य शिवपूजन सहाय)

अमृतसर आ गया है, (भीष्म साहनी), काला रजिस्टर (रवीन्द्र कालिया)

निबंध - (क) उत्साह - आचार्य रामचंद शुक्ल

(ख) शिरीष के फूल - ह० प्र० द्विवेदी

(ग) लंका की एक रात - कुबेरनाथ राय

संस्मरण एवं रेखाचित्र :- घीसा - महादेवी

सुभान खाँ - बेनीपुरी

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. कबीर - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. सूरदास - सं० डॉ० हरवंशलाल शर्मा
3. तुलसीदास - डॉ० वासुदेव सिंह
4. जायसी - डॉ० रामपूजन तिवारी
5. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ० बच्चन सिंह
6. हिन्दी के कृष्णभक्ति काव्य में मधुर भाव की उपासना -डॉ० पूर्णमासी राय
7. जयशंकर प्रसाद - सं० डॉ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. त्रयी - आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
9. साठोत्तरी हिन्दी कविता : परिवर्तित दिशाएँ - डॉ० विजय कुमार
10. निबंध : स्वरुप और मूल्यांकन - डॉ० चन्द्रप्रकाश मिश्र
11. हिन्दी गद्य की नई विधाएँ - डॉ० कैलाशचन्द्र भाटिया

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र–1

मध्यकालीन काव्य

(भक्ति एवं रीतिकाव्य)

समय – तीन घंटे **पूर्णांक – 70**

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	$3 \times 12 = 36$ अंक
(ख)	व्याख्यात्मक प्रश्न	:	$3 \times 8 = 24$ अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	$10 \times 1 = 10$ अंक
			योग – 70 अंक

निर्देश :– प्रत्येक इकाई से कुल मिलाकर किन्हीं तीन प्रश्नों एवं तीन व्याख्याओं के उत्तर देने हैं।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें – काव्य–कलश– सं0 डॉ0 देवदत्त राय

पाठ्यांश :

1. **कबीर –**

   1. दुलहनी गावहु मंगलचार 2. मन लागा राम फकीरी में 3. एक अचम्भा देखा रे भाई 4. संतौं भाई आई ग्यान की आँधी रे 5. झीनी–झीनी बीनी चदरिया 6. माया महा ठगिनी हम जानी 7. संतों ई मुरदन के गाऊँ 8. मन न रंगाए, रंगाए जोगी कपरा 9. राम सुमिरि पछताएगा 10. घूँघट का पट खोल रे 11. हरि बिनु बैल बिराने होइहैं 12. रस गगन में अजर झरै 13. अब मन जागत रहु रे भाई।

2. **जायसी** : पद्मावत का 'मानसरोदक' खण्ड।

3. **तुलसीदास** : रामचरितमानस का 'उत्तरकाण्ड' दोहा–संख्या 115 से 130 तक।

4. **मीराबाई–**

1. मेरे तो गिरिधर गोपाल 2. हे री मैं तो दरद दिवानी 3. बसो मेरे नैनन में नंदलाल 4. फागुन के दिन चार 5. मतवारो बादल आयो रे 6. आली रे मेरे नयनन बान परी 7. पग घुंघरू बांध मीरा नाची रे 8. सिरी गिरिधर आगे नाचूँगी 9. सुनि हौं मैं हरि आवन की आवाज 10. दरस बिन दुखन लागे नैन 11. माई मैं लियो रमैया मोल।

5. **बिहारी :**

1. सीस मुकुट कटि काछनी 2. भृकुटी मटकनि पीत पट 3. जिन दिन देखे वे कुसुम 4. चटक न छाँड़्तु घटत 5. कनक–कनक ते सौ गुनी 6. को छूटयों एहि जाल परि 7. समय–समय सुंदर सबै 8. जौ चाहत चटक न घटै 9. संगति सुमति न पावहिं 10. दीरघ साँस लेहि दुःख 11. एहि आसा अटक्यो रहत 12. स्वारथ सुकृत न श्रम बृथा 13. इन दुखिया अँखियान कौं 14. जब–जब वे सुधि कीजिए 15. छिपयो छबिली मुख लसै 16. जप माला छापा तिलक 17. यही बिरिया नहिं और की 18. भजन कह्यो ताँतैं भज्यो 19. अधर धरत हरि कै परत 20. कर समेटि कच भुज उलट 21. करौ कुबत जगु कुटिलता।

अथवा

मध्यकालीन हिन्दी काव्य – सं0 डॉ0 चंदू लाल दूबे, प्र0 पूर्णिमा, प्रकाशन धारवाड़

1. **कबीर (कुल 5 पद)–जानहु रे नर सोबहु कहा, हरि मोरा पिउ, एक निरंजन अलह मेरा, काहे रे नलिनी, चलन–चलन सबको कहत है।**

2 **साखी – (प्रारंभ से दस साखियाँ)**

जायसी – पद्मावत – केवल गोरा बादल खंड

सूर– अविगत गति कछु कहत न आवै, अब हौं नाच्यौ बहुत गुपाल, जसोदा हरिपालने झुलावै, बूझत स्याम कौन तू गोरी, चरन कमल बंदौ, मधुबन तुम कत रहत हरे

तुलसीदास – रामचरित मानस – अयोध्याकांड – (राम वन–गमन–प्रसंग)

बिहारी – भक्ति परक दोहे–श्रृंगार परक दोहे

आलोचनात्मक प्रश्न के लिए निम्नांकित इकाइयों में अध्ययन अपेक्षित है-

इकाई 1
- (क) भक्ति आंदोलन की पूर्व पीठिका
- (ख) हिन्दी भक्ति काव्य का विकास
- (ग) भक्ति काव्य की विविध धाराएँ

इकाई 2- कबीर-
- (क) कबीर की रचनाएँ
- (ख) कबीर की सामाजिकता
- (ग) कबीर की दार्शनिकता

इकाई 3- जायसी -
- (क) जायसी का काव्य परिचय
- (ख) पद्मावत में सूफी तत्व
- (ग) मानसरोदक/गोरा बादल खंड का काव्य सौंदर्य

इकाई 4- सूरदास-
- (क) सूर की रचनाएँ
- (ख) सूर का वात्सल्य वर्णन एवं सख्य भाव
- (ग) सूर की काव्य-कला

इकाई 5- तुलसीदास -
- (क) तुलसीदास की रचनाओं का परिचय
- (ख) रामचरितमानस की महत्ता
- (ग) अयोध्याकांड 'मानस' की हृदयस्थली

इकाई 6-
- (क) रीति सिद्ध कवि के रूप में बिहारी
- (ख) बिहारी का श्रृंगार-वर्णन
- (ग) बिहारी की काव्य-कला

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1.	कबीर	–	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
2	कबीर की खोज	–	डॉ0 राजकिशोर
3	जायसी	–	विजयदेव नारायण साही
4	सूर–साहित्य	–	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5	गोस्वामी तुलसीदास	–	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6	मध्यकालीन स्वच्छंद काव्यधारा	–	डॉ0 मनोहर लाल गौड़
7.	बिहारी	–	आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
8	रीतिकाव्य की भूमिका	–	डॉ0 नगेन्द्र
9	मध्यकालीन हिन्दी साहित्य और हजारीप्रसाद द्विवेदी, (विशाल पब्लिकेशन, पटना)	–	डॉ0 सुनील कुमार

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र-2

(गद्य विधाएँ)

(कथा सहित्य, नाट्क एवं निबंध)

समय - तीन घंटे

पूर्णांक - 70

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	$3 \times 12 = 36$ अंक
(ख)	व्याख्यात्मक प्रश्न	:	$3 \times 8 = 24$ अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	$10 \times 1 = 10$ अंक
			योग - 70 अंक

पाठ्य पुस्तकें -

पाठ्यांश -

.1. **उपन्यास -** 1. चित्रलेखा - भगवतीचरण वर्मा

'अथवा'

2. जुलूस - फणीश्वरनाथ रेणु

2 **नाट्क** - चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद

3. **गद्य तरंग** - सं0 डॉ0 सुनील कुमार

कहानी - कानों में कँगना, शरणदाता, मलवे का मालिक, चीफ की दावत।

निबंध - हंस का नीर - क्षीर विवेक, आचरण की सभ्यता, आँगन का पंछी,

आलोचनात्मक प्रश्न -

इकाई - 1

क. हिन्दी गद्य विधाओं का विकास

ख. हिन्दी कहानी की संक्षिप्त रूपरेखा

ग. हिन्दी निबंध का सामान्य परिचय

घ. हिन्दी उपन्यास की संक्षिप्त रूपरेखा

इकाई - 2

चित्रलेखा - (क) कथावस्तु (ख) चरित्र-चित्रण
(ग) उद्देश्य (घ) भाषा-शिल्प

जुलूस - (क) कथावस्तु (ख) चरित्र-चित्रण
(ग) उद्देश्य (घ) भाषा-शिल्प

इकाई - 3 - चन्द्रगुप्त - (क) वस्तु (ख) नेता (ग) रस

इकाई - 4 - पठित निबंधों एवं कहानियों का कलात्मक वैशिष्ट्य।

अभिस्तावित ग्रंथः-

1. हिन्दी उपन्यास - रामदरश मिश्र
2. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग - डॉ त्रिभुवन सिंह
3. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ - डॉ0 सुरेन्द्र चौधरी
4. हिन्दी नाटक - डॉ0 बच्चन सिंह
5. एकांकी और एकांकीकार - डॉ0 रामचरण महेन्द्र
6. निबंध सिद्धांत और प्रयोग - डॉ0 हरिहरनाथ द्विवेदी
7. हिन्दी गद्य की नई विधाएँ - डॉ कैलाशचन्द्र भाटिया

स्नातक, द्वितीय वर्ष

सामान्य हिन्दी (हिन्दी–रचना)

(कला, विज्ञान, वाणिज्य के उत्तीर्ण(पास)
एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गो के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य)

समय – तीन घंटे

पूर्णांक - 100

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 × 15 = 45 अंक
(ख)	व्याख्यात्मक प्रश्न	:	3 ×10 = 30 अंक
(ग)	लघु उत्तरीय प्रश्न	:	3 × 5 = 15 अंक
(घ)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 × 1 = 10 अंक
			योग - 100 अंक

पाठ्यग्रंथ –

1. कुरुक्षेत्र – दिनकर।

अथवा

यशोधरा – मैथिलीशरण गुप्त।

2 अक्षयवट – डॉ0 भूपेन्द्र कलसी।

पाठ्यांश–

1. यज्ञ– महात्मा गाँधी।
2. हमारा सांस्कृतिक पतन – डॉ० संपूर्णानंद।
3. दक्षिण गंगा गोदावरी – काका साहेब कालेलकर।
4. सप्तसागर महादान – वासुदेवशरण अग्रवाल।
5. आजादी के बाद भारतीय विज्ञान – गुणाकर मूले।

अथवा

गद्यप्रवाह – सं0 डॉ0 विजय कुलश्रेष्ठ युनिवर्सिटी बुक हाउस, जयपुर

पाठ्यांश –

(क) व्यंग्य : मूल्यों का उलटफेर – हरिशंकर परसाई
(ख) रिपोर्ताज : मुक्ति योद्धाओं के शिविर में – विष्णुकांत शास्त्री
(ग) पत्र साहित्य : इतिहास से शिक्षा – पं0 जवाहरलाल नेहरू
(घ) वैज्ञानिक निबंध : पर्यावरण और सनातन दृष्टि–छगनलाल मोहता
(ङ) ललित–निबंध : हल्दी–दूब और दधि अच्छत– विद्यानिवास मिश्र

अभिस्तावित ग्रंथ–

1. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डॉ0 श्रीनिवास शर्मा
2 मैथिलीशरण गुप्त – डॉ0 रेवती रमण
3 साठोत्तरी कविता : परिवर्तित दिशाएँ – डॉ0 विजय कुमार
4 हिन्दी निबंध और निबंधकार – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
5 हिन्दी गद्य की नई विधाएँ – डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया

स्नातक, द्वितीय वर्ष

सामान्य हिन्दी (हिन्दी रचना)

उत्तीर्ण(पास) एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गों के लिए

(कला, विज्ञान, वाणिज्य के अहिन्दी भाषियों के लिए अनिवार्य)

समय - 1½ घंटे पूर्णांक - 50

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 × 15 = 30 अंक
(ख)	व्यावहारिक हिन्दी रचना	:	2 × 5 = 10 अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 × 1 = 10 अंक
			योग - 50 अंक

पाठ्यग्रंथ-

1. विविधा– सं0 डॉ0 जितेन्द्र वत्स,

1. **पाठ्यांश :**
   1. अलोपीदीन– महादेवी वर्मा।
   2. कबीर साहब से भेंट–रामधारी सिंह 'दिनकर'।
   3. आत्मकथा–आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी।
   4. ईदगाह– प्रेमचंद।
   5. मुगलों ने सल्तनत बख्श दी– भगवतीचरण वर्मा।

अथवा

2 हिन्दी गद्य-पद्य संग्रह - सं0 दिनेश प्रसाद सिंह, प्रकाशन-ओरिएट ब्लैकस्वॉन, पटना।

पाठ्यांश -

गद्य खंड

(क) दुलाई वाली	- बंग महिला
(ख) बड़े घर की बेटी	- प्रेमचंद
(ग) खून का रिश्ता	- भीष्म साहनी

पद्य खण्ड

(क) दोनों ओर प्रेम पलता है	- मैथिलीशरण गुप्त
(ख) ले चल वहाँ भुलावा देकर	- प्रसाद
(ग) मुरझाया फूल	- महादेवी
(घ) समरशेष है	- दिनकर

व्यावहारिक हिन्दी रचना में पठनीय - संक्षेपण, पल्लवन, पत्र-लेखन, आशय-लेखन, वाक्य-संशोधन, शब्द-युग्मों में अंतर-

अभिस्तावित ग्रंथ-

1. छायावादी कवि और काव्य - डॉ0 देव शरे
2. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ0 वासुदेव नंदन प्रसाद

स्नातक, द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र - 2

(कला, विज्ञान और वाणिज्य परीक्षा के लिए अनिवार्य)

उत्तीर्ण (पास) एवं आनुषंगिक (सब्सिडियरी) (कथा-साहित्य एवं नाट्य विधाएँ)

समय - तीन घंटे पूर्णांक - 100

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 × 15 = 45 अंक
(ख)	व्याख्यात्मक प्रश्न	:	3 × 10 = 30 अंक
(ग)	लघु उत्तरीय प्रश्न	:	3 × 5 = 15 अंक
(घ)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 × 1 = 10 अंक
			योग - 100 अंक

पाठ्य पुस्तकें -

1. **उपन्यास** - पुरुष और नारी - राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह
2. **नाटक** - नेत्रदान - रामवृक्ष बेनीपुरी
3. **प्रतिनिधि एकांकी** - सं० डॉ० जितेन्द्रनाथ पाठक/ डॉ० सत्येन्द्र सिंह, प्र० संजय बुक सेन्टर वाराणसी

(क) विक्रमादित्य	–	डॉ० रामकुमार वर्मा
(ख) ऊसर	–	भुवनेश्वर
(ग) नये मेहमान	–	उदयशंकर भट्ट
(घ) लक्ष्मी का स्वागत	–	उपेन्द्रनाथ अश्क
(ङ) नेहरू की वसीयत	–	विष्णु प्रभाकर
(च) रीढ़ की हड्डी	–	जगदीशचन्द्र माथुर

कथाकेतु – सं० डॉ० सूर्यदेव सिंह, डॉ० विश्वनाथराम।

पाठ्यांश :

1	बड़े घर की बेटी	–	प्रेमचंद।
2	दो बाँके	–	भगवतीचरण वर्मा।
3	मलवे का मालिक	–	मोहन राकेश।
4	पंचलाइट	–	फणीश्वरनाथ रेणु।
5	दोपहर का भोजन	–	अमरकांत।

अभिस्तावित ग्रंथ -

(क) हिन्दी उपन्यास	–	डॉ० सुरेश सिन्हा
(ख) हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास	–	डॉ० दशरथ ओझा
(ग) कहानी नयी-पुरानी	–	डॉ० नामवर सिंह
(घ) हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास	–	डॉ० रामचरण महेन्द्र

स्नातक, हिन्दी प्रतिष्ठा, द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र - 3

आधुनिक काव्य

समय - तीन घंटे पूर्णांक - 70

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 × 12 = 36 अंक
(ख)	व्याख्यात्मक प्रश्न	:	3 × 8 = 24 अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 × 1 = 10 अंक
			योग - 70 अंक

वर्ग - 'क'

ाठ्यग्रंथ –

हर – जयशंकर प्रसाद (मेरे नाविक, तुमुल कोलाहल, बीती विभावरी, पेशोला की प्रतिध्वनि)।

रिमल – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – बादल राग –6, स्नेह निर्झर बह गया है, संध्या सुंदरी, तोड़ती पत्थर, राजे ने रखवाली की।

ारापथ – सुमित्रानंदन पंत – मोह, प्रथम रश्मि, भारतमाता ग्रामवासिनी।

ंधिनी – महादेवी – धीरे–धीरे उतर क्षितिज से, कौन तुम मेरे हृदय मे, मधुर–मधुर मेरे दीपक जल, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ।

वर्ग 'ख'

काव्य–कल्प – संपादक डॉ0 बदरीनारायण सिंह–

ाठ्यांश

रामधारी सिंह 'दिनकर' – परदेशी, चाँद और कवि, बापू, हिमालय का संदेश, कलम और तलवार।

हरिवंश राय बच्चन– मधुशाला, क्या करूँ संवेदना लेकर तुम्हारी, हलाहल, आओ हम पथ से हट जाएँ, मैं सुख पर सुखमा पर रीझा।

3. सं०ही०वात्स्यायन 'अज्ञेय' – हमारा देश, यह इतनी बड़ी अनजानी दुनिया, पानी बरसा, साँप के प्रति, आँगन के पार।

4. धर्मवीर भारती– टूटा पहिया, कविता की मौत, नया रस, साँझ का बादल, 'फूल, मोमबतियाँ सपने।

5. भवानी प्रसाद मिश्र– गीत–फरोश, फूल कमल के, स्नेह–शपथ, असुंदर से गाँठ, रक्त–क्षण।

6. धूमिल–गाँव में कीर्तन, खेवली, भूख, बीस साल बाद, मकान।

अथवा

पाठ्यग्रंथ प्रगतिशील काव्य धारा –सं० डॉ० भरत सिंह,

पाठ्यांश

माखनलाल चतुर्वेदी – कैदी और कोकिला, पुष्प की अभिलाषा, उलाहन

रामधारी सिंह दिनकर – हिमालय, दिल्ली, विपथगा

केदार नाथ अग्रवाल – मैंनें उसको, मुझे नदी से बहुत प्यार है चंद्रगहना से लौटती बेर

नागार्जुन – मास्टर, यह दंतुरित मुस्कान, अकाल और उसके बाद

अज्ञेय – नदी के द्वीप्र, कलगी बाजरे की, दूर्वादल।

अभिस्तावित ग्रंथ-

1. जयशंकर प्रसाद – सं0 डॉ0 विश्वनाथ प्र0 तिवारी
2 प्रसाद का काव्य – डॉ0 प्रेमशंकर
3 कवि निराला – डॉ0 रामविलास शर्मा
4 क्रांतिकारी कवि निराला – डॉ0 बच्चन सिंह
5 सुमित्रानन्दन पंत : जीवन और दर्शन – शांति जोशी
6 सुमित्रानन्दन पंत – डॉ0 नगेन्द्र
7. महादेवी : सृजन और शिल्प – डॉ0 रणजीत सिंह
8 महादेवी का काव्य – डॉ0 चौथीराम यादव
9 युगचारण दिनकर – डॉ0 सावित्री सिन्हा
10 अपने समय का सूर्यः दिनकर – डॉ0 मन्मथनाथ गुप्त
11. अज्ञेय कवि और काव्य – डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद
12 अज्ञेय की काव्य संवेदना – डॉ0 कमल कुमार
13 यायावर कवि नागार्जुन – डॉ0 वीरेन्द्र सिंह
14 नागार्जुन का रचना-संसार – डॉ0 विजय बहादुर सिंह
15 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
16 समकालीन काव्य-यात्रा – डॉ0 नंदकिशोर नवल

स्नातक हिन्दी उत्तीर्ण (पास कोर्स), तृतीय वर्ष

प्रश्न पत्र – 3

(हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास)

समय – तीन घंटे

अंकों का विभाजन पूर्णांक – 100

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	4 × 15 = 60 अंक
(ख)	लघु उत्तरीय प्रश्न	:	4 × 5 = 20 अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	20 × 1 = 20 अंक
			योग – 100 अंक

पाठ्यांश :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सामान्य परिचय

(क) आदि काल (ख) भक्ति काल

(ग) रीतिकाल (घ) आधुनिक काल

(ङ) प्रमुख कवि एवं गद्य लेखक

2 हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास

(क) हिन्दी की उत्पत्ति और विकास के सोपान

(ख) हिन्दी भाषा के विविध रूप – बोलचाल की भाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा।

(ग) हिन्दी की शब्द–संपदा

तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, आगत।

(घ) हिन्दी की विभाषाएँ और बोलियाँ।

(ङ) हिन्दी भाषा का मानकीकरण।

अभिस्तावित ग्रंथ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2 हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3 हिन्दी भाषा : विविध आयाम – डॉ0 जितेन्द्र वत्स
4 हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – डॉ0 उदयनारायण तिवारी
5 आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह
6 आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ वासुदेवनंदन प्रसा

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, द्वितीय वष

प्रश्न पत्र - 4

(हिन्दी साहित्य का इतिहास)

समय - तीन घंटे पूर्णांक - 70

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 × 12 = 36 अंक
(ख)	लघु उत्तरीय प्रश्न	:	3 × 8 = 24 अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 × 1 = 10 अंक
			योग - 70 अंक

इकाई - 1 हिन्दी सहित्य का कालविभाजन और नामकरण ।

इकाई - 2 आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार ।

इकाई - 3 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि - भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत ।

इकाई - 4 हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ - कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आलोचना।

इकाई - 5 हिन्दी गद्य का नवीन स्वरूप- रिपोर्ताज, संस्मरण, रेखा-चित्र, डायरी-लेखन, यात्रा-साहित्य ।

अभिस्तावित ग्रंथ -

हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी - आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक इतिहास - डॉ0 सभापति मिश्र

हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी

मध्यकालीन हिन्दी साहित्य और हजारीप्रसाद द्विवेदी

- डॉ0 सुनील कुमार

प्रश्न पत्र – 5

(भाषा विज्ञान)

समय – तीन घंटे

अंकों का विभाजन पूर्णांक

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : $3 \times 12 = 36$ अंक

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न : $3 \times 8 = 24$ अंक

(ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न : $10 \times 1 = 10$ अंक

योग – 70

वर्ग – 'क'

पाठ्यांशः–

इकाई – 1 भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा–बोली ।

इकाई – 2 भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान की उपयोगि ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध ।

इकाई – 3 भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों का परिचयात्मक अध्य (ध्वनि, शब्द, वाक्य और अर्थ विज्ञान)

इकाई – 4 हिन्दी की शब्द–संपदा–शब्द कोटियाँ – संज्ञा, सर्वन विशेषण और क्रिया विशेषण, व्याकरणिक कोटियाँ - लि वचन, काल, कारक

वर्ग – 'ख'

इकाई – 5 हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, आर्य भाषाओं परिचय।

इकाई – 6 राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी। हिन्दी का वर्तमान राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाय शर्मा।
2. भाषा विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी।
3. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ0 बाबूराम सक्सेना।
4. भाषा, साहित्य और संस्कृति – डॉ0 विमलेश कांति वर्मा।
5. राजभाषा हिन्दी : विवेचन और प्रयुक्ति – डॉ0 किशोर वासवानी।
6. हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा।
7. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – डॉ0 जितेन्द्र वन्स।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष

प्रश्न पत्र – 6

(भारतीय काव्यशास्त्र और भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य-सिद्धां

समय – तीन घंटे

पूर्णांक –

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 × 12 = 36 अंक
(ख)	लघु उत्तरीय प्रश्न	:	3 × 8 = 24 अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 × 1 = 10 अंक
			योग – 70 अंक

इकाई – 1 काव्य–लक्षण, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य प्रकार, शब्द–शक्तियाँ ।

इकाई – 2 रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांतों व सामान्य परिचय ।

इकाई – 3 अलंकार और छंद – अलंकार – रूपक, उपमा, अनन्वय दृष्टांत, विभावना, विरोधाभास, असंगति, अतिशयोक्ति, संदे भ्रांतिमान, छंद – दोहा, चौपाई, सोरठा, कवित्त, सवैय छप्पय, मंदाक्रांता, द्रुतविलंबित, इंद्रवज्रा, शिखरिणी, कुंडलिय

इकाई – 4 पाश्चात्य आलोचक – प्लेटो, अरस्तू, मैथ्यू आर्नल आई0ए0रिचर्ड्स के साहित्य सिद्धांतों का सामान्य परिचय

इकाई – 5 भारतीय समीक्षक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजा प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 नंददुलारे वाजपेयी, डॉ0 लक्ष्मीनाराय सुधांशु, डॉ0 रामविलास शर्मा, डॉ0 नामवर सिंह, आचा नलिनविलोचन शर्मा।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास – डॉ भगीरथ मिश्र ।
2. काव्यशास्त्र की रूपरेखा – डॉ0 श्यामनंदन शास्त्री ।
3. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज – डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी ।
4. अलंकार मुक्तावली – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा ।
5. छंद, बोध और व्याख्या – डॉ0 विपिनबिहारीशरण द्विवेदी ।
6. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा – सं0 डॉ0 नगेन्द्र ।
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ0 विजयपाल सिंह ।
8. पश्चिमी आलोचना – डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय ।
9. पाश्चात्य समीक्षाःसिद्धांत और वाद – डॉ0 सत्यदेव मिश्र ।
10. हिन्दी आलोचना का विकास – डॉ0 नंदकिशोर नवल ।
11. हिन्दी समीक्षाः सीमाएँ और संभावनाएँ– डॉ0 रामविनोद सिंह ।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष

पत्र - 7

प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय - तीन घंटे

पूर्णांक - 70

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	$3 \times 12 = 36$ अंक
(ख)	लघु उत्तरीय प्रश्न	:	$3 \times 8 = 24$ अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	$10 \times 1 = 10$ अंक
			योग - 70 अंक

इकाई - 1

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप एवं उद्देश्य ।
2. सर्जनात्मक और प्रयोजनमूलक साहित्य का अंतर ।
3. हिन्दी भाषा की व्यापकता ।

इकाई - 2

1. हिन्दी की विविध शैलियाँ ।
2. प्रयुक्ति के संदर्भ में प्रयोजनमूलक हिन्दी ।
3. पारिभाषिक शब्दावली एवं उसके निर्माण के सिद्धांत ।

इकाई - 3

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रकार एवं लक्षण ।
2. कार्यालयी हिन्दी : प्रयोग एवं भाषायी लक्षण ।
3. व्यावसायिक हिन्दी : प्रयोग एवं भाषायी लक्षण ।

इकाई - 4

1. अनुवाद का अर्थ एवं प्रक्रिया ।
2. अनुवाद में हिन्दी का प्रयोग ।
3. अनुवाद के विविध प्रकार ।

इकाई - 5

1. पत्रकारिता की परिभाषा एवं प्रक्रिया ।
2. पत्रकारिता में हिन्दी का प्रयोग ।
3. पत्रकारिता में प्रयुक्त तकनीकी शब्द ।

अभिस्तावित ग्रंथ -

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ0 रवीन्द्र श्रीवास्तव ।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और व्यवहार - रघुनन्दन शर्मा ।
3. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग - गोपीनाथ श्रीवास्तव ।
4. कामकाजी हिन्दी - डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया ।
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत एवं प्रयुक्ति - डॉ0 जितेन्द्र वत्स

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा, तृतीय वर्ष

पत्र - 8

विशेष अध्ययन

(सगुण भक्ति काव्य)

समय - तीन घंटे

पूर्णांक - 70

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 × 12 = 36 अंक
(ख)	व्याख्यात्मक प्रश्न	:	3 × 8 = 24 अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 × 1 = 10 अंक
		योग	- 70 अंक

पाठ्यांश -

1. भ्रमरगीत सार - सूरदास (सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल) पद सं0 - 6, 9, 10, 108, 109, 114, 116, 125, 130, 134 (कुल 10 पद)

2. कवितावली - तुलसीदास - (गीताप्रेस, गोरखपुर) अयोध्याकांड-1,2, 5, 6, 7, 8, 11, 18, 20, (कुल 9 छंद)

3. मीरा - मीराबाई की पदावली, सं0 आचार्य परशुराम चतुर्वेदी- पद सं0 50-54 - कुल 5 पद

4. रसखान -सं. रसखान रचनावली. विद्यानिवास मिश्र पद सं0 - 1, 2, 3, 31, 32, 35, 122, 125 - कुल 8 छंद।

5 रहीम -

दोहे- (क) ये रहीम दर-दर फिरे, (ख) जैसे तुम हमको करौ
(ग) अनुचित वचन न मानिए (घ) जो गरीब परहित करै,
(ङ) चित्रकूट में रमि रहे

बरवै - (क) कारन कवै रहिसवा (ख) बहुत दिना पर पियवा
(ग) लैके सुघर सुरुपिया

इकाई - 1

1. सूरदास की कविता के आधार-स्रोत ।
2. भ्रमरगीत का दार्शनिक पक्ष।
3. सूर की काव्यभाषा।

इकाई - 2

1. तुलसीदास का लोकमंगल।
2. दर्शन एवं भक्ति।
3. काव्यभाषा - शैली।

इकाई - 3

1. मीरा की कृष्णभक्ति।
2. प्रेम का स्वरूप।
3. गेयता एवं भाषा-शैली।

इकाई - 4

1. कृष्णभक्ति-परम्परा और रसखान।
2. ब्रजभूमि का वर्णन।
3. काव्यभाषा एवं काव्य-रूप।

इकाई - 5

1. रहीम का काव्य।
2. नायक - नायिका भेद।
3. नीतिपरक दोहे।

अभिस्तावित ग्रंथ-

1. सूरसाहित्य - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ।
2. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।
3. परम्परा का मूल्यांकन - डॉ0 रामविलास शर्मा ।
4. मीरा एक पुनर्मूल्यांकन - सं0 पल्लव ।
5. रसखान - श्री श्यामसुन्दर व्यास।
6. भक्तिकाव्य और लोक जीवन - डॉ0 शिवकुमार मिश्र ।
7. मीराबाई - डॉ0 श्रीकृष्णलाल ।
8. रसखान व्यक्तित्व और कृतित्व- डॉ0 माजदा असद ।

स्नातक, हिन्दी प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष

(विशेष अध्ययन)

पत्र - 8

दलित साहित्य और स्त्री विमर्श

समय - तीन घंटे

पूर्णांक - 70

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 X 12 = 36 अंक
(ख)	लघु उत्तरीय प्रश्न	:	3 X 8 = 24 अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 x 1 = 10 अंक

योग = 70 अंक

पाठ्यांश -

उपन्यास - (क) धरती धन न अपना - जगदीशचंद्र।

(ख) मित्रों मरजानी - कृष्णा सोबती।

कहानिया - ठाकुर का कुआँ - प्रेमचंद, शवयात्रा-ओम प्रकाश वाल्मीकि, बदबू - सूरजपाल चौहान,

अंतिम आदमी - हरिवंश नारायण।

आत्मकथा - अपने-अपने पिंजरे - मोहनदास नैमिशारण्य।

चिंतन - श्रृंखला की कड़ियाँ - महादेवी वर्मा।

इकाई - 1

1. दलित साहित्य का वैचारिक आधार।
2. जाति व्यवस्था एवं छुआछूत।
3. आधुनिक भारत में दलित।

इकाई - 2 -स्त्री-विमर्श :

1. पुरुष प्रधान समाज और स्त्री।
2. आधुनिक भारत में स्त्री।
3. स्त्रीवाद की अवधारणा एवं स्त्री-आंदोलन।

इकाई - 3

1. धरती धन न अपना - कथावस्तु, चरित्र-चित्रण, दलित जीवन की त्रासदी।
2. अंतिम आदमी - कथावस्तु , उद्देश्य।
3. मित्रो मरजानी - कथावस्तु, मित्रो का चरित्रांकन, स्त्री - मुक्ति के रास्ते की पहचान।

इकाई - 4

1. पठित कहानियों में दलित जीवन चित्र।
2. 'अपने अपने पिंजरे की कथावस्तु, समाज का यथार्थ।
3. आत्मवृत्त।

इकाई - 5 - श्रृंखला की कड़ियाँ

1. स्त्रीमुक्ति का प्रथम दस्तावेज।
2. स्त्री मुक्ति का स्वप्न।
3. बंधनों की पहचान।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र - ओम प्रकाश वाल्मीकि।
2. लोकतंत्र में भागीदारी का सवाल और दलित साहित्य की भूमिका - जयप्रकाश कर्दम।
3. हिन्दी उपन्यासों में दलित वर्ग - कुसुम मेघवाल।
4. दलित कहाँ जाएँ - जियालाल आर्य।
5. दलित साहित्य सृजन के संदर्भ में - डॉ0 चमनलाल।
6. देह की राजनीति से देश की राजनीति तक - मृणाल पांडेय।
7. औरत होने की सजा - अरविन्द जैन।
8. औरत के हक में - तसलीमा नसरीन।
9. परिधि पर स्त्री - मृणाल पांडेय।
10. स्त्रीत्व का मानचित्र - अनामिका।

विशेष अध्ययन
लोक- साहित्य

समय - तीन घंटे

अंकों का विभाजन पूर्णांक - 70

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 X 10 = 30 अंक
(ख)	दो लघु उत्तरीय प्रश्न	:	2 X 05 = 10 अंक
(ग)	व्याख्या	:	10 x 1 = 10 अंक
(घ)	दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	02 x 10 = 20 अंक
			योग = 70 अंक

पाठ्यांश -

लोक और लोकवार्ता, लोकवार्ता और लोक विज्ञान, लोक संस्कृतिः अवधारणा, लोक संस्कृति और साहित्य, भारत में लोकसाहित्य के अध्ययन की परम्परा, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण, लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकनृत्य, लोकगीत : स्वरूप एवं भेद, लोकगीत की विशेषता, लोकनाट्य के भेद, लोकनाट्य की विशेषता, लोकगाथा के भेद एवं विशेषता, लोक नृत्य का स्वरूप और विशेषता, मुहावरा-स्वरूप एवं विशेषता, पहेलियों का स्वरूप एवं विशेषता,

व्याख्या के लिए पुस्तकः-

1. मगही संस्कार गीत-गीत संख्या - 1 से 15 तक
2. भोजपुरी संस्कार गीत-गीत संख्या- 1 से 15 तक
3. मैथिली संस्कार गीत-गीत संख्या- 1 से 15 तक

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. लोक साहित्य का अध्ययन - डॉ0 त्रिलोचन पाण्डेय।
2. लोक साहित्य स्वरूप और मूल्यांकन - डॉ0 श्रीराम शर्मा।
3. लोक साहित्य का शास्त्रीय अनुशीलन - महेश कुमार।
4. लोक संस्कृति की रूप रेखा - डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय।
5. लोक साहित्य और संस्कृति - डॉ0 दिनेश्वर प्रसाद।
6. लोक सहित्य विज्ञान - डॉ0 सत्येन्द्र।
7. लोक साहित्य - डॉ0 जवाहर एवं डॉ0 स्वर्णलता अग्रवाल।
8. लोक गीतों की सामाजिक व्याख्या - श्रीकृष्ण दास।
9. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम - श्री शांति जैन।
10. लोक साहित्य - श्री इन्द्रदेव सिंह।
11. भारतीय लोक नाट्य - डॉ0 वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी।
12. बिहार के लोक नाट्यों की प्रमुख शैलियों का विवेचन - रेखा दास।
13. मगही भाषा और साहित्य - डॉ0 सम्पत्ति आर्याणी।

स्नातक, हिन्दी प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष

पत्र - 8

(विशेष अध्ययन)

हिन्दी पत्रकारिता

समय - तीन घंटे पूर्णांक - 70

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 X 12 = 36 अंक
(ख)	लघु उत्तरीय प्रश्न	:	4 X 6 = 24 अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 x 1 = 10 अंक
			योग = 70

पाठ्यांश -

इकाई - 1

1. पत्रकारिता की परिभाषा और उद्देश्य।
2. भारतेन्दु युगीन हिन्दी पत्रकारिता।
3. स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी पत्रकारिता।
4. स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता।

इकाई - 2

1. समाचार का तात्पर्य।
2. समाचार के विविध स्रोत।
3. संपादन कला के सिद्धांत।

इकाई - 3

1. साक्षात्कार के प्रकार।
2. शीर्षक का महत्व और प्रकार।
3. फीचर लेखन और उसका उद्देश्य।

इकाई - 4

1. संपादकीय टिप्पणियाँ।
2. अग्रलेख।
3. स्तंभ लेखन।

इकाई - 5

1. मुद्रण कला का सामान्य ज्ञान।
2. प्रूफ रीडिंग।
3. मेक़अप और पृष्ठ संरचना।

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक।
2. हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास – अंबिका प्रसाद वाजपेयी।
3. हिन्दी पत्रकारिता – डॉ0 कृष्णबिहारी मिश्र।
4. संपादन कला – के0 पी0 नारायण।
5. मुद्रण कला – छविनाथ पांडेय।
6. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी पत्रकारिता – डॉ0 वंशीधर लाल।
7. भारतीय स्वतंत्रता और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ0 वंशीधर लाल।
8. पत्रकारिता के विविध संदर्भ – डॉ0 वंशीधर लाल।
9. हिन्दी पत्रकारिताः रीति, वृत्ति और नीति – डॉ0 जितेन्द्र वत्स।
10. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ0 अर्जुन तिवारी।
11. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम – डॉ0 जितेन्द्र वत्स।